भजन

पिया के चरण मेरे हिय कमल
ताथें अखंड सुख आवे सकल

1) रूहें इश्क मांगे अपने धनी से,
पकड़ धनी के कदम
जो छोड़े इन चरण को,
सो क्यों कहिए आशिक खसम

2) जो कदी खोले आशिक नैन को,
पहले हाथों पकड़े दोऊ पाय
ए नैन अंग नूरजमाल के,
सो इन आशिक से क्यूँ जाय

3) प्यारे कदम राखो छाती मिने,
और राखो नैनों पर
सिर ऊपर लिये फिरूं,
बैठे दिल को अर्श कर